वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :2 अंक : 239 | शनिवार 24 दिसम्बर 2022 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

विदेश जाने का चस्काः शेखावाटी की अलग पहचान

जयपुर के बाद सीकर के लोग सबसे ज्यादा बनवाते है पासपोर्ट; 17 हजार लोग हर महीने जयपुर से भरते है विदेशों की उड़ान

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान में जब भले ही जयपुर के बाद जोधपुर, अलवर, नागौर में सबसे ज्यादा लोग निवास करते हों, लेकिन शेखावाटी के लोग घूमने-फिरने में इन सबसे ज्यादा ललायित रहते है। यहां घूमने जाने की बात देश के दूसरे राज्यों की बात नहीं बल्कि विदेश जाने की हो रही है। फिर चाहे वह ट्यूरिस्ट बनकर जाते हों या फिर वर्कर या बिजनसमैन के रूप में। ये ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि पिछले 33 साल में पूरे राजस्थान में जितने भी पासपोर्ट बने हैं, उसमें जयपुर जिले के बाद सीकर के लोगों ने बनवाए हैं। विदेश मंत्रालय से जारी एक रिपोर्ट देखें तो राजस्थान में अब तक कुल 29.26 लाख लोगों ने पासपोर्ट बनवाए है, जिसमें 5.73 लाख पासपोर्ट तो शेखावाटी के सीकर, चूरू, झुंझुनूं के लोगों के हैं जबकि जयपुर के 6.28 लाख लोगों ने अब तक पासपोर्ट बनवाए हैं। जिलेवार संख्या देखे तो पासपोर्ट बनवाने में जयपुर के लोग सबसे ज्यादा है, जबकि दूसरे

नंबर पर सीकर के लोग हैं जबकि तीसरे नंबर पर जोधपुर है।

खाड़ी देशों में सबसे ज्यादा जाते है यहां से लोग

शेखावाटी से बड़ी संख्या में वर्कर खाड़ी देश (यूएई, ओमान, साउदी अरब, बहरीन और कतर) में काम करने जाते है। सीकर, चूरू, झुंझुनूं के अलावा नागौर के लोग भी बड़ी संख्या में काम के सिलसिले में खाड़ी देशों की यात्रा करते है। वहीं जयपुर से भी बड़ी संख्या में लोग इन देशों में काम या बिजनेस के सिलसिले से जाते हैं। यहां के लोग अर्थव्यवस्था में भी अहम योगदान दे रहे हैं।

इन जिलों के लोग कम करवाते हैं रिन्यू

आमतौर पर पासपोर्ट 10 साल के लिए बनता है। 10 साल के बाद उसे दोबारा रिन्यू करवाना पड़ता है। जालौर, सिरोही, पाली के करीब 10 फीसदी पासपोर्ट धारी ऐसे है, जिन्होंने एक बार पासपोर्ट बनने के बाद उसे दोबारा रिन्यू ही नहीं करवाया है। वहीं जोधपुर, बीकानेर के भी 8 फीसदी से ज्यादा पासपोर्टधारी ऐसे है, जिनका पासपोर्ट एक्सपायर हो गया, लेकिन उसे अब तक रिन्यू नहीं करवाया गया है। जयपुर एयरपोर्ट से मिली एक रिपोर्ट देखे तो यहां से हर महीने औसतन 17 हजार से ज्यादा लोग विदेश जाते है। जयपुर से अभी खाड़ी देशों के लिए हर रोजाना 3 फ्लाइट्स जाती है। इसके अलावा बैंकॉक और कुआलालंपुर के लिए भी अलग से फ्लाइट्स का शेड्यूल है।

6 साल में दूसरी बार दिसंबर में मावठ नहीं, रात का पारा 13.6

जयपुर. कासं

दिसंबर तेज सर्दी के लिए जाना जाता है, मगर इस बार मौसम का मिजाज गर्म है। माह के अंतिम सप्ताह में 4-5 डिग्री रहने वाला पारा तक नौ डिग्री से नीचे ही नहीं आया है। मौसम के इस मिजाज के चलते लोग मौसमी बीमारियों की चपेट में आ रहे हैं। अस्पतालों में सर्दी-जुकाम और वायरल के मरीज बढ़े हैं। पिछले साल भी दिसंबर में रात का पारा 11.6 डिग्री से नीचे नहीं गया था। सर्द हवा के बावजूद गुरुवार रात तापमान 13.6 डिग्री सेल्सियस रहा। यह सामान्य से 5 डिग्री ज्यादा है। वहीं अधिकतम तापमान 22.0 डिग्री दर्ज हुआ, जो सामान्य से 2 डिग्री कम है। इस बार पूरे प्रदेश में ही कड़ाके की सर्दी नहीं है। मौसम विभाग ने एक हफ्ते में जयपुर में रात का पारा 8 डिग्री तक पहुंचने की संभावना जताई है।

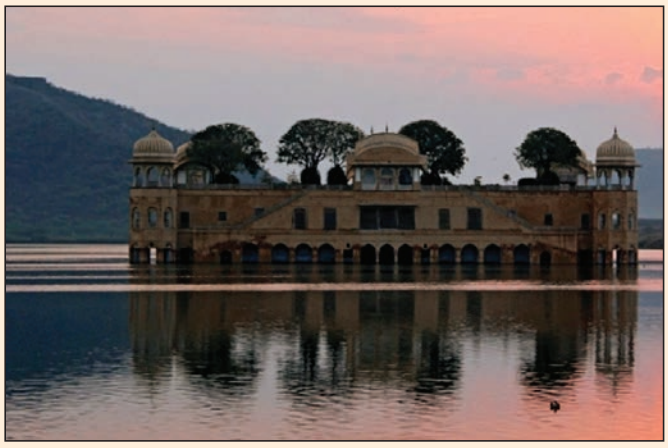

अबकी सर्दी कम पड़ने के पीछे मावठ नहीं होना माना जा रहा है। मौसम विभाग ने पूर्वानुमान में भी न्यूनतम तापमान सामान्य और कम सर्दी के आसार जताए थे। 6 साल में दूसरी बार सर्दी में मावठ नहीं हुई। विशेषज्ञों के मुताबिक इस बार पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता कम रहने से मैदानी इलाकों में सर्दी कम पड़ी। राजधानी में 1964 के दिसंबर में सबसे ज्यादा ठंड थी। रात का पारा जमावबिंदु पर पहुंचा था। दस साल में 2019 का दिसंबर सबसे ज्यादा ठंडा रहा।

सकल जैन समाज का श्री सम्मेद शिखर बचाओ आन्दोलन

रविवार, 25 दिसंबर को सकल जैन समाज जयपुर सहित पूरे प्रदेश में करेगा आंदोलन। पूरे प्रदेश में निकलेगे विशाल मौन जुलूस। जयपुर में अग्रवाल कॉलेज सांगानेरी गेट से प्रारंभ होगा मौन जुलूस। महावीर स्कूल में होगी धर्म सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

जैन धर्म के 20 तीर्थंकर सहित कोड़ा कोड़ी जैन संतों की निर्वाण स्थली झारखंड स्थित जैन धर्म के सर्वोच्च सिद्ध क्षेत्र श्री सम्मेद शिखर जी को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में पूरे देश में चल रहे अहिंसात्मक आंदोलन की कड़ी में भारतवर्षीय दिगंबर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी एवं जैन श्वेताम्बर सोसायटी के सानिध्य में जयपुर सहित पूरे राजस्थान में सकल जैन समाज (दिगंबर और श्वेतांबर) के बैनर तले विशाल मौन जुलूस निकाले जाएंगे। जुलूस के समापन पर जैन संतों के सानिध्य में धर्म सभा होगी तत्पश्चात विरोध स्वरूप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राज्यपाल, झारखंड सरकार के मुख्य मंत्री आदि के नाम से उच्चाधिकारियों को ज्ञापन दिये जायेगे। राज कुमार कोठ्यारी, सुभाष चन्द जैन तथा महेन्द्र सिंघवी ने संवाददाताओं को संबोधित करते हुए बताया कि सम्मेद शिखर जैन तीर्थ जो समाज की आस्था का मुख्य केंद्र है को पर्यटक स्थल (पिकनिक स्पॉट) घोषित करने पर सकल जैन समाज का विरोध स्वरूप मौन जुलूस रविवार 25 दिसंबर को राजधानी जयपुर सहित प्रदेशभर में निकाला जाएगा और समाज के प्रतिनिधि अपने सभी तरह के प्रतिष्ठान बंद रखकर अपना विरोध जताएंगे। जयपुर में रविवार को प्रातः 9 बजे सकल जैन समाज अग्रवाल कॉलेज प्रांगण पर एकत्रित होगा और यहां से मौन जुलूस प्रारंभ किया जायेगा, जो जौहरी बाजार, त्रिपोलिया बाजार, बड़ी चौपड़, किशनपोल बाजार, अजमेरी गेट, एमआई रोड़ से होते हुए महावीर स्कूल, सी-स्कीम में जाकर संपन्न होगा। यहां दिगंबर और श्वेतांबर जैन संतो और साध्वियों के सानिध्य में विशाल धर्मसभा का आयोजन होगा। जयपुर में महावीर स्कूल में विशाल पाण्डाल बनवाया जा रहा है। विभिन्न कालोनियों एवं जैन मंदिरों में घर घर जनसम्पर्क किया जा रहा हे। जुलूस में पुरुष वर्ग सफेद वस्त्र तथा महिला वर्ग - केसरिया साड़ी या केसरिया वस्त्र धारण कर, विरोध स्वरूप काली पट्टी बांध कर तथा काला मास्क लगाकर शामिल होंगे। सम्मेद शिखर बचाओ से सम्बंधित नारे लिखी तख्तियां व जैन ध्वज लेकर जैन बन्धु चलेंगे। जुलूस की व्यवस्था श्री वीर सेवक मण्डल के कार्यकर्ता देखेंगे। जुलूस व धर्म सभा में सानिध्य प्रदान करने के लिए सभी जैन संतों से निवेदन किया जा रहा है। सुनील कोठारी,संजय ख्वाब एवं सरोज कोचर ने बताया कि जयपुर सहित पूरे प्रदेश के समस्त जैन बन्धुओं में भारत सरकार एवं झारखंड सरकार के इस निर्णय के विरोध में भयंकर आक्रोश व्याप्त है। पर्यटन क्षेत्र घोषित करने की अधिसूचना वापस लेने तक आंदोलन जारी रहेगा। पूरे विश्व में सारा जैन समाज एकजूट होकर आंदोलन कर रहा है।

ऑल इंडिया भैरव दरबार संस्था ने अमावस्या पर अन्नदान किया

बैंगलोर. शाबाश इंडिया। केंपेगौड़ा स्थित महाराजा कंपलेक्स के प्रांगण में अमावस्या के अवसर पर गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए अन्नदान का कार्यक्रम रखा गया, जिसमें ऑल इंडिया भैरव दरबार के संस्थापक अध्यक्ष महेश चौधरी ने अपने स्वर्गीय माता- पिता की पुण्य स्मृति में यह अन्नदान किया, अन्नदान कार्यक्रम में लगभग 2000 से भी ज्यादा जरुरतमंदो को भोजन वितरित किया गया। इस अवसर पर ऑल इंडिया भैरव दरबार के संस्थापक अध्यक्ष महेश चौधरी, महावीर जैन, जय चौधरी, जिनदत्त चौधरी, दिशांत, लता गुलेच्छा,कीर्ति गुलेच्छा, मयंक, नेहा, , प्रकाश, पवन, बाबू एवं सैयद आदि उपस्थित थे। संस्थापक अध्यक्ष ने प्रति अमावस्या अपने परिवार की तरफ से अन्नदान के कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया है ।

॥ श्री आदिनाथाय नमः ॥ ॥ श्री पार्श्वनाथाय नमः ॥ ॥ श्री महावीराय नमः ॥

श्री सम्मेदशिखरजी की पावन भूमि को पर्यटन स्थल घोषित करने के विरोध में

विशाल मौन जुलूस

दिनांक : 25 दिसम्बर 2022, रविवार

समय : दोपहर 12.15 बजे से

स्थान : अजमेरी-नागौरी मन्दिरजी से

1008 महावीर मन्दिरजी, डीडवाना रोड़ तक

शिखरजी बचाओ आंदोलन

सम्मेद शिखरजी हमें प्राणों से प्यारा है,
यहाँ की पावन मिट्टी का कण-कण हमारा है।

सकल दिगम्बर जैन समाज के सभी पुरूषो, महिलाओं एवं युवा वर्ग से निवेदन है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारकर इस धार्मिक आन्दोलन को सफल बनाने में सहयोग करें।

निवेदक :: सकल जैन समाज, कुचामन सिटी

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत आज अहिंसा रथ को करेंगे रवाना

जयपुर. शाबाश इंडिया

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत शनिवार को साम 4 बजे वैशाली नगर स्थित श्री महावीर दिगम्बर जैन मंदिर के बाहर से आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में अहिंसा रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। संयोजक प्रवीण बड़जात्या, आलोक काला व विपिन पाटनी ने बताया कि तपस्वी सम्राट आचार्य सन्मति सागर महाराज के समाधि दिवस पर आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में कृषि मंत्री लालचंद कटारिया एवं डेगाना विधायक विजयपाल मिर्धा भी मुख्यमंत्री के साथ मौजूद रहेंगे। संयोजक जयकुमार बड़जात्या ने बताया कि कार्यक्रम में आचार्य श्री द्वारा लिखित ग्रंथ का भी विमोचन मुख्यमंत्री करेंगे।

सूरज मैदान पर भव्य भागवत कथा ज्ञानयज्ञ का चौथा दिन

छाया नंदोत्सव का उल्लास, लूटी खुशियों की उछाल

जयपुर. शाबाश इंडिया

आदर्श नगर के सूरज मैदान पर नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के बैनर तले चल रही भव्य श्रीमद भागवत कथा ज्ञानयज्ञ में शुक्रवार को भगवानश्रीकृष्ण के जन्मोत्सव नंदोत्सव का उल्लास छाया। इस मौके पर खचाखच भरे पांडाल में बैठे श्रद्धालुओं ने जन्म कृष्ण कन्हैया,सबको बहुत बधाई....यशोदा मां के हुए लाल,बधाई सब मिल गाओ..नंद के आनंद भयो,जय कन्हैया लाल ...जैसे बधाई गीतों के बीच नाच-गाकर नागरमल पिस्तादेवी मणकसिया चैरिटेबल ट्रस्ट व सुरेश ग्रुप के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल, ट्रस्ट के सदस्य अनिल अग्रवाल,सुनील अग्रवाल,सुरेश अग्रवाल, राजेश अग्रवाल व सहसचिव योगेश बिंदल सहित अन्य ने खुशियों की उछाल लूटकर लुटाई।इस दौरान सूरज मैदान का चप्पा-चप्पा कान्हा के जन्म की खुषियों मनाता नजर आया। इस मौके पर विश्व विख्यात आध्यात्मिक प्रवक्ता जया किशोरी ने कहा कि प्रभु चरित्रों का श्रवण करने से प्रभु की कृपा अवश्य प्राप्त होती है।प्रभु के चरण कमल का स्मरण करने से सारे कष्ट नष्ट हो जाते है।जब प्रभु ने संसार में जन्म लिया,तब चारों ओर खुशियां छा गई,खुशी में लोग झूम रहे थे और कह रहे थे कि हमें पालने वाला आ गया। प्रभु की हर इच्छा व लीला को प्रसन्नता से स्वीकर करने वाला ही परम भक्त होता है।उन्होंने आगे कहा कि जब जीव ईश्वर तक पहुंचने में असमर्थ हो जाता है,तब ईश्वर ही जीव के स्तर पर उतरकर लौकिक लीलाएं करता है। यही परम जैसल धर्मवान ईश्वर का साधारणीकरण है। जब-जब इस धरती पर दुष्टों का अत्याचार बढ़ता है,तब-तब धर्म की रक्षा के लिए अवतारी पुरूष्य जन्म लेते है। इस दोरान वामन अवतार प्रसंग पर बोलते हए जया किशोरी ने कहा कि ईश्वर विराट होते हुए भी भक्त के हित के लिए वामन अर्थात छोटे हो जाते है। वास्तव में बड़ा वही है जो विचार और कर्म से बड़ा है और पर में नहीं। उन्होंने यह भी कहा कि जीवन में कब क्या हा जाए,इसका कोई भरोसा नहीं है। सारे कार्य स्वयं के हिसाब से यह भी पता नहीं है जो काम करने वाले होते है,वो कब करके निकल जाते हैं,पता ही नहीं चलता और जिनको काम करना नहीं होता,वो उस कार्य को ना करने के बहाने बनाते है। इस मौके पर विधायक कालीचरण सपत्नीक,रीको डायरेक्टर सीताराम अग्रवाल,राकेष मिततल,ष्याम भक्त राम रतन नीरव,सरिता दीवान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस मौके पर कथा प्रसंग के तहत आकर्षक वामन अवतार, श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की झांकी भी सजाई गई। ट्रस्ट के अध्यक्ष नागरमल अग्रवाल व सचिव अरविन्द अग्रवाल ने बताया कि महोत्सव के तहत शनिवार को कथा प्रसंग के तहत भगवान श्रीकृष्ण की बाललीला,गोवर्धन पूजा व 56 भोग की झांकी सजाई जाएगी। 25 दिसम्बर को कंस वध रासलीला,गोपी-उद्धव संवाद रूकमणि विवाह प्रसंग की कथा का वर्णन होगा। महोत्सव के अंतिम दिन 26 दिसम्बर को श्रीकृष्ण अनन्य विवाह,श्रीकृष्ण सुदामा चरित्र सहित अन्य प्रसंगों पर वर्णन होगा। कथा रोजाना दोपहर 1 बजे से साम 5 बजे तक होगी।

अंतरराष्ट्रीय सेमिनार व सम्मान समारोह

जीवन में योग, शाकाहार एवं गौ सेवा को सम्मिलित करने पर बल

जयपुर. शाबाश इंडिया

अपेक्स यूनिवर्सिटी व विश्व गुरु दीपाश्रम शोध संस्थान के तत्वावधान में **''विश्वव्यापी भारतीय संस्कृति योग एवं संस्कार''** विषय पर अंतरराष्ट्रीय सेमिनार व सम्मान समारोह यूनिवर्सिटी प्रांगण में किया गया। इस मौके पर विश्वगुरु महामंडलेश्वर परमहंस स्वामी महेश्वरानंदपुरी,महामंडलेश्वर ज्ञानेश्वरपुरी, यूनिवर्सिटी चैयरमैन डॉ. रवि जूनीवाल, अपेक्स यूनिवर्सिटी कुलपति प्रोफेसर ओपी छंगाणी, पंडित महेश दत्त शर्मा ''गुरुजी'' मेजर एस एन माथुर, स्वामी अवतारपुरी, विजेंद्र बंसल, राजस्थान संस्कृत अकादमी अध्यक्ष डॉ. सरोज कोचर प्रोफे. कैलाश चतुर्वेदी, कपिल अग्रवाल डॉ. रघुवीर प्रसाद शर्मा एवं मनोज जूनीवाल उपस्थित रहे।इस मौके पर योग विषय पर स्वामी अवतारपुरी ने **''योगा इन डेली लाइफ''** के माध्यम से जीवन में योग की पद्धति को सम्मिलित करने की आवश्यकता पर विचार प्रकट किए। स्वामी ज्ञानेश्वरपुरी ने योगा, संस्कार व संस्कृति पर अपने विचार व्यक्त किए। स्वामी प्रेमानंद ने स्वामी महेश्वरानंद के भारतीय संस्कृति व योग का यूरोपीय देशों में किए गए प्रचार कार्यों पर प्रकाश डाला। प्रोफेसर ओपी छंगाणी ने भारतीय संस्कृति के मूल्य व आचरण पद्धतियों को जीवन में शामिल करने के महत्व को उजागर किया गया। विश्वगुरु महामंडलेश्वर महेश्वरानंदपुरी ने जीवन में योग, शाकाहार एवं गौ सेवा को सम्मिलित करने पर बल दिया गया। आपने विश्व के विभिन्न राष्ट्रों में भारतीय सनातन संस्कृति के प्रचार कार्यों के अनुभवों का वर्णन किया। डॉ. रवि जूनीवाल ने स्वामी महेश्वरानंद जी का स्वागत करते हुए मानवीय मूल्यों के प्रति संपूर्ण विश्व में नई क्रांति पैदा करने एवं आधुनिक शैली से पीड़ित मनुष्य को सनातन संस्कृति के दर्शन करवाने के लिए धन्यवाद दिया। पं.महेश दत्त शर्मा **''गुरुजी''** ने संस्कार पर बोलते हुए बताया गया कि रामचरितमानस आचरण का ग्रंथ है और भगवत गीता आचार संहिता है दोनों के समन्वय से मनुष्य का जीवन संस्कार युक्त होकर सार्थक बनता है। आपने विभिन्न शास्त्रीय प्रमाणों से भारतीय संस्कार पद्धति को स्पष्ट किया तथा जीवन शैली को जीने की कला विद्यार्थियों को बताई। इस आयोजन में वर्ल्ड पीस काउंसिल वियना की ओर से संस्कृति, शिक्षा एवं मानव सेवा के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले विद्वानों का सम्मान किया गया। काउंसिल के भारतीय एम्बेसडर कपिल अग्रवाल द्वारा काउंसिल का परिचय एवं सम्मानित व्यक्तियों का आभार प्रकट करते हुए वर्ल्ड पीस काउंसिल की गतिविधियों के बारे में बताया गया। इस आयोजन में डॉक्टर रवि जूनीवाल को भारतीय मूल्य के अनुकूल शिक्षा प्रदान करने एवं पं. महेशदत्त शर्मा गुरुजी को संस्कृति के संरक्षण के लिए, विजेंद्र बंसल को जिन्होंने 20,000 पांडुलिपियों का संरक्षण किया है शास्त्र संरक्षण के लिए, डॉ सरोज कोचर को संस्कृति समुत्थान के लिए एवं डॉ रघुवीर प्रसाद शर्मा को संस्कृत एवं शास्त्र संरक्षण व प्रचार के लिए **''संस्कृति रक्षक अवार्ड''** प्रदान किया गया।

वेद ज्ञान

जीवन में न दें भय को स्थान

जब हमारे आत्मविश्वास में कमी आती है, तो हमारे भय का जन्म होता है। इसका हमें कोई सटीक आभास नहीं होता है कि भविष्य में क्या होगा, लेकिन हम अक्सर इसे लेकर मन ही मन बहुत कुछ सोचने लगते हैं। ऐसे में यदि हमारे विचार सकारात्मक होते हैं, तो हमारा आत्मविश्वास बढ़ जाता है, लेकिन जब हम अंजाम के बारे में नकारात्मक बातें सोचने लगते हैं, तो हमारा आत्मविश्वास डिगने लगता है और जाने-अनजाने हम भय के जाल में फंस जाते हैं। इस स्थिति में मनुष्य के लिए भय को अनदेखा करना आसान नहीं होता, लेकिन ऐसा भी नहीं है कि वह भय का सामना ही न कर पाए। भय से बचने के लिए मनुष्य को थोड़ा साहस जरूर दिखाना पड़ता है। जान लीजिए कि जो डर से डर गया, वह मर गया वरना डर के आगे जीत है। डर और साहस का एक संबंध है, क्योंकि साहस का न होना ही डर के पैदा होने का कारण होता है। साहस एक ऐसी शक्ति है, जिसके सामने डर अपना सब कुछ खो देता है। मनुष्य को सर्वप्रथम अपने भय की पहचान करनी चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि अपने भय को पहचाने बगैर हम कभी उससे छुटकारा नहीं पा सकते। जिस बात या कार्य से आपको भय लग रहा है, उस कार्य को बार-बार करें। इसके बावजूद आपका भय कायम है, तो उस कार्य को तब तक करते रहें, जब तक आपका भय पूरी तरह से भाग न जाए। आप जितनी बार भय देने वाले कार्य को करेंगे, उतनी आपकी हिम्मत बढ़ती जाएगी। एक समय ऐसा जरूर आएगा, जब आपके भय को उलटे पैर भागना ही पड़ेगा। वैसे यह दुनिया बड़ी मनोरम और सुंदर है, इसमें भय जैसा कुछ भी नहीं है। भय तो हमारे ही मन की एक स्थिति है। किसी के लिए ऊंचे पहाड़ रोमांच का एक साधन हैं, तो दूसरे को पहाड़ की ऊंचाई मृत्यु का भय दिखाती है। पहाड़ अपनी जगह खड़े हैं, लेकिन मनुष्यों की मनोदशा बदली हुई है। भय कुछ और नहीं, बल्कि पाने की लालसा और खोने का डर है। जो मनुष्य यह बात जानते हैं कि वे इस धरती पर खाली हाथ आए हैं और उन्हें खाली हाथ ही जाना है, तो उन्हें कभी किसी बात का भय नहीं होगा। अगर आपको यह पता चले कि आज आपकी जिंदगी का आखिरी दिन है, तो आप भय में दिन गुजारेंगे या प्रसन्नता में? मनुष्य को अपनी मृत्यु का भय अपने दिमाग से निकाल देना चाहिए।

संपादकीय

चीन में कोरोना विषाणु के संक्रमण में तेजी से बढ़ोतरी

चीन में कोरोना विषाणु के संक्रमण में तेजी से बढ़ोतरी होने लगी है और भारी तादाद में लोग इसके शिकार हो रहे हैं। पिछले कुछ समय से कोरोना संक्रमण के मामलों में जैसी गिरावट आई थी और हर तरफ राहत का माहौल देखा जा रहा था, उससे यह लगने लगा था कि अब शायद दुनिया पहले की तरह सामान्य स्थिति की ओर लौट रही है। लेकिन अब फिर चीन से जैसी खबरें आ रही हैं, वह एक तरह से सतर्क रहने की चेतावनी हैं, ताकि समय रहते कोरोना के फैलाव को रोका जा सके। गौरतलब है कि कुछ समय पहले चीन कोरोना को पूरी तरह शून्य करने की नीति पर चल रहा था और इसी वजह से वहां सार्वजनिक जीवन और गतिविधियों को लेकर कई स्तर पर अब भी सख्ती कायम थी। कई जगहों पर पूर्णबंदी जैसे हालात थे। लेकिन लगातार बंदिशों से जब वहां लोग परेशान हो गए और इसका विरोध करने लगे तब सरकार ने कुछ हद तक प्रतिबंधों में छूट दे दी। संक्रमण के मामलों के सीमित होने

के दौर में यह एक स्वाभाविक स्थिति थी। लोगों को उम्मीद थी कि महामारी की मार से राहत के बाद अब वे सामान्य जिंदगी जी सकेंगे। मगर पिछले कुछ दिनों के भीतर चीन से आने वाली खबरों में बताया गया है कि वहां फिर से कोरोना विषाणु के संक्रमण में तेजी से बढ़ोतरी होने लगी है और भारी तादाद में लोग इसके शिकार हो रहे हैं। सब जानते हैं कि इस विषाणु और उसके संक्रमण से उपजी बीमारी की शुरूआत से ही चीन से हुई थी और उसके बांद दुनिया का अनुभव बेहद त्रासद रहा। यही वजह है कि अब एक बार फिर चीन में जब कोरोना संक्रमण से हालात बिगड़ने की खबरें आ रही हैं तब दुनिया के अनेक देशों के साथ-साथ भारत में भी चिंता की लहर दौड़ गई है। खबरों के मुताबिक चीन में स्थिति नियंत्रण से बाहर जा रही है और संक्रमितों के इलाज के लिए अस्पतालों में जगह नहीं मिल पा रही है। पहले दौर में जब वुहान से विषाणु के संक्रमण की खबरें आईं थी, तब शायद वक्त पर अपने-अपने देशों में सावधानी बरतने को लेकर उतनी जागरूकता नहीं आ पाई थी। इसलिए उसका असर भी यह हुआ कि अमूमन सभी देश इसकी चपेट में आए। भारत उससे सबसे ज्यादा बुरी तरह प्रभावित होने वाले देशों में से एक था। इसलिए स्वाभाविक ही इस बार चीन में कोरोना से स्थिति बिगड़ने की खबरें आने के साथ ही भारत में सावधानी बरतने को लेकर जरूरी कदम उठाए जाने लगे हैं। इसके मद्देनजर बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री की अध्यक्षता में हुई बैठक में संक्रमण से बचाव के लिए हर स्तर पर सावधानी बरतने की बात कही गई है। हालांकि विशेषज्ञों का कहना है कि भारत में कोरोना के बहुरूपों के असर को सीमित करने से लेकर टीकाकरण की उपलब्धियों को देखते हुए चिंता करने की जरूरत नहीं है, मगर जिस तरह कोरोना के एक बहुरूप ओमीक्रान बीएफ.7 के मामले पाए जाने की खबर आई है, उसमें अपने स्तर पर सावधानी बरतना हर हाल में फायदा ही पहुंचाएगा।

-राकेश जैन गोदिका

परिदृश्य

खुदकुशी की कड़ियां

जब किसी वजह से हर तरफ कोई व्यापक त्रासदी हावी दिखने लगती है तब उसकी सबसे ज्यादा मार समाज के कमजोर तबकों पर पड़ती है। करीब तीन साल पहले जब कोरोना ने दस्तक दी थी, तब शुरूआती दौर में यह लगा था कि संकट जल्द ही टल जाएगा। लेकिन महामारी से बचाव के उपायों के तहत लगाई गई पूर्णबंदी जितने वक्त तक लंबी खिंच गई और बाद में भी हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हुए, उसका कितना असर देश और समाज पर हुआ, वह छिपा नहीं है। इस बीच ऐसी खबरें सुर्खियों में नहीं आ सकीं, जिसमें हाशिए के लोगों को कई तरह की त्रासदी से जूझना पड़ा और उसका असर आज भी उनके परिवारों पर कायम है। मसलन, सिर्फ पिछले साल यानी 2021 में देश में रोजाना औसतन एक सौ पंद्रह दिहाड़ी मजदूरों और तिरसठ गृहिणियों ने आत्महत्या की। मंगलवार को सरकार ने लोकसभा में बताया कि राष्ट्रीय अपराध रिकार्ड ब्यूरो के मुताबिक, पिछले साल देश भर में कुल एक लाख चौंसठ हजार तैंतीस लोगों ने खुदकुशी की। साथ ही तेईस हजार एक सौ उनासी गृहणियों और पंद्रह हजार आठ सौ सत्तर पेशवर लोगों के अलावा कई अन्य वर्गों के सैकड़ों लोगों ने अलग-अलग कारणों से अपनी जान दे दी। जाहिर है, महामारी की मार ने केवल सेहत के मोर्चे पर लोगों के सामने जानलेवा हालात नहीं पैदा किए, बल्कि उससे बचाव के लिए जो तरीके अपनाए गए, उसके असर ने करोड़ों लोगों की जिंदगी को मुश्किल में डाल दिया। पूर्णबंदी की वजह से जब हर तरफ सब कुछ ठप पड़ गया था, तब महज जिंदा रह पाने के लिए रोजाना की मजदूरी पर निर्भर लोगों की लाचारी ने उन्हें अमानवीय परिस्थितियों में झोंकने के साथ-साथ ऐसे हालात भी पैदा किए, जिसमें बहुत सारे लोगों को पेट भरने तक के लिए खर्च और अनाज जुटाना भारी पड़ने लगा। सब कुछ बंद होने की वजह से हर तरफ काम-धंधे खत्म थे और दिहाड़ी करके गुजारा करने वालों को कोई रोजगार नहीं मिल रहा था। यानी जो लोग कोरोना विषाणु से संक्रमित होकर भी या फिर उसकी जद में आने से बच गए, उनके सामने जीवन चलाने और बचाने तक की चुनौती मुंह बाए खड़ी थी, क्योंकि रोजगार का कोई जरिया आसान नहीं रह गया था। यहां तक कि कर्ज या उधार लेकर काम चलाने के हालात भी मुश्किल हो गए। ऐसी त्रासदी में कमजोर पड़ कर बहुत सारे लोग टूट गए और कोई विकल्प न पाकर कइयों ने खुदकुशी का रास्ता अख्तियार कर लिया। यह स्थिति केवल मजदूर तबकों तक सीमित नहीं थी, बल्कि हर तरफ छाई नकारात्मक घटनाओं के असर ने व्यवसाय जगत से लेकर अन्य क्षेत्रों को भी बुरी तरह प्रभावित किया। इसमें संदेह नहीं कि विकट परिस्थितियों में सरकार ने मुफ्त अनाज से लेकर कई स्तर पर सहायता मुहैया कराने का दावा किया। लेकिन जरूरत के मुकाबले मदद की सीमा एक व्यापक त्रासदी में फंसे बहुत सारे लोगों की जान बचा पाने में कारगर साबित नहीं हुई। अभाव और उससे जुड़ी कड़ियों ने आम लोगों के सामने जिस तरह के मानसिक संघर्ष के हालात पैदा किए, उसके दबाव और उसकी पीड़ा को झेल पाना सबके लिए संभव नहीं हुआ। जाहिर है, अब सरकार अगर लोगों की जिंदगी बचाने के नाम पर कोई बड़ा कदम उठाती है तो उसे ध्यान रखना चाहिए कि कहीं उनसे जुड़ी कड़ियों से ही लोगों के सामने जान देने की लाचारगी न पैदा हो।

आर्यिका रत्न 105 श्रुतमति, सुबोधमति माताजी के पावन सानिध्य में गुणस्थली चकवाड़ा में मुनिवर्य 108 श्री गुणसागर जी मुनिराज का 12 वां स्मृति दिवस मनाया जायेगा

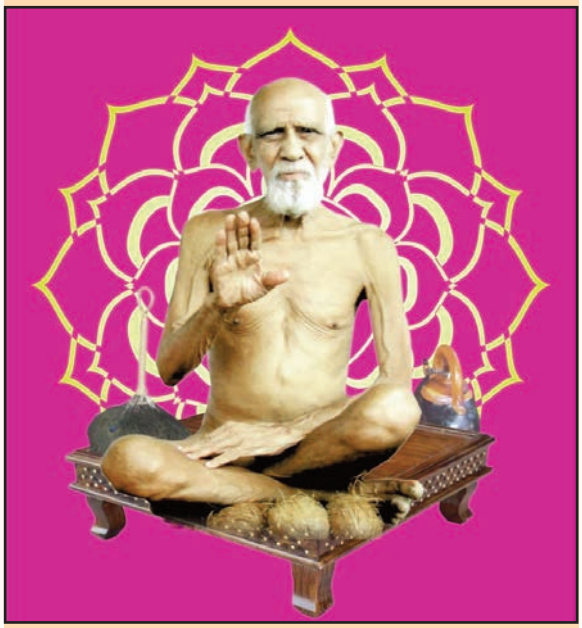

फागी. शाबाश इंडिया

धर्म परायण नगरी चकवाड़ा गुणस्थली पर आर्यिका105 श्रुतमति माताजी, सुबोध मति माताजी के पावन सानिध्य में समाधिस्थ मुनिवर्य 108 गुणसागर जी मुनिराज का 12 वां स्मृति दिवस 26 दिसम्बर 2022 को जोर-शोर से मनाया जायेगा। जैन महासभा के प्रतिनिधि राजाबाबू गोधा ने अवगत कराया कि उक्त कार्यक्रम समाधिस्थ आर्यिका 105 आदिमती माताजी की पावन प्रेरणा से आर्यिका संघ के पावन सानिध्य में होगा। कार्यक्रम में 26 दिसम्बर को प्रातः अभिषेक, शांतिधारा एवं अष्टद्रव्यों से पूजा के बाद शांति नाथ महामंडल विधान की पूजा अर्चना होगी तथा आर्यिका संघ की 10 बजे आहार चर्या होगी। दोपहर बाद झंडा रोहण, चित्र अनावरण, दीप प्रज्वलन के बाद महाराज श्री की पूजन होगी, गुणस्थली के महामंत्री जयकुमार गंगवाल ने अवगत कराया कि उक्त कार्यक्रम संहिता सूरी वाणी भूषण प्रतिष्ठचार्य पं विमल कुमार जैन बनेठा वालों के दिशानिर्देश में विभिन्न मंत्रोचारणों के द्वारा सम्पन्न होगा। पूजन बाद विनयांजलि सभा, आर्यिका श्री का मंगलमय आशीर्वचन तथा सम्मान समारोह का आयोजन होगा। कार्यक्रम में सारे सकल जैन समाज को आमंत्रित किया गया है।

वेस्ट सेंट्रल रेलवे एंप्लाइज यूनियन का मंडल अधिवेशन गंगापुर सिटी में 31 दिसंबर को

गंगापुर सिटी. शाबाश इंडिया। वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन का मंडल अधिवेशन 31 दिसंबर गंगापुर सिटी में आयोजित किया जाएगा। मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि यूनियन के महामंत्री मुकेश गालव के साथ हुई गंगापुर सिटी के शाखा अध्यक्ष शाखा सचिवों की विशेष मीटिंग में इसका निर्णय हुआ है। जल्दी ही अधिवेशन की तैयारियों के सिलसिले में स्थानीय चारों शाखाओं की मीटिंग आयोजित की जाएगी। मंडल उपाध्यक्ष नरेंद्र जैन ने बताया कि इस अधिवेशन में वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन की तुगलकाबाद बाद भरतपुर बयाना गंगापुर सिटी सवाई माधोपुर कोटा बूंदी बारां श्यामगढ़ भवानी मंडी विक्रमगढ़ आलोट कोटा वर्कशॉप सहित सभी शाखाओं के 250 से अधिक पदाधिकारी भाग लेंगे। अधिवेशन मे ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के पुरी में एवं वेस्ट सेंट्रल रेलवे एम्पलाइज यूनियन के जबलपुर में हुए अधिवेशन में लिए गए प्रस्तावों के क्रियान्वयन के बारे में रणनीति तैयार की जाएगी।

अशोक जैन कोटलर बने सहायक प्रांतपाल

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी प्रांत 3056 के वर्ष 2023-24 के प्रांतपाल निर्मल कुणावत ने रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के अशोक जैन कोटलर को वर्ष 2023-24 के लिये जोन- 19 का सहायक प्रांतपाल नियुक्त किया है। अशोक जैन कोटलर रोटरी क्लब व लायंस क्लब के पूर्व अध्यक्ष रह चुके है साथ ही प्रांत के विभिन्न पदों पर रह चुके हैं। सहायक प्रांतपाल नियुक्त किए जाने पर रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन की मीटिंग में जैन का माल्यपर्ण कर स्वागत किया गया। अशोक जैन ने अपने उद्बोधन में प्रांतपाल का आभार व्यक्त किया ।

चम्बल नदी पर आर्यिका संघ की होगी भव्य अगवानी

मनोज नायक. शाबाश इंडिया

मुरेना। स्वस्तिधाम प्रणेत्री, भारत गौरव गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी का मध्यप्रदेश की सीमा पर 24 दिसम्बर को भव्य अगवानी की जाएगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार पूज्य गणिनी आर्यिका स्वस्तिभूषण माताजी ससंघ का मंगल विहार आज दोपहर धौलपुर से ज्ञानतीर्थ मुरेना के लिए होगा। आज रात्रि विश्राम शासकीय माध्यमिक विद्यालय सरायछोला में होगा । सरायछोला में ही सांयकालीन वेला में गुरुमां की संगीतमय भक्ति की जाएगी। धौलपुर से चम्बल नदी का पुल निकलते ही मध्यप्रदेश की सीमा प्रारम्भ हो जाती है । मध्य प्रदेश की पावन धरा पर पूज्य आर्यिका संघ की भव्य अगवानी की जाएगी । पूज्य माताजी के संघ की अगवानी के लिये श्री ज्ञानतीर्थ परिवार एवं मुरेना जैन समाज ने तैयारियां प्रारंभ करदी हैं। ज्ञानतीर्थ पर प्रथमवार एवं मध्यप्रदेश में लगभग 12 वर्षो पश्चात पूज्य माताजी का मंगलागमन हो रहा है। मुरेना जैन समाज के साधर्मी बन्धु बस एवं चार पहिया वाहनों द्वारा चम्बल नदी के पुल पर पहुँचकर माताजी की अगवानी करेंगे। पुरुषवर्ग सफेद परिधान, महिलाएं केसरिया साड़ी एवं बालिकाएं एक विशेष परिधान में रहेगी । धौलपुर से मध्यप्रदेश की सीमा में प्रवेश करते ही ढोल, तासे, नगाड़े एवं बैंड बाजों के साथ युवा वर्ग हाथों में पचरंगे ध्वज के साथ पूज्य आर्यिका संघ की अगवानी करेंगे । सौभाग्यवती महिलाएं रंगोली बनाकर, सिर पर कलश रखकर आर्यिका संघ की आरती उतारकर पाद प्रक्षालन करेंगी।

श्री मनीष जी - शोभना जी जैन लोंग्या

सन्मति ग्रुप के वरिष्ठ उपाध्यक्ष

की वैवाहिक वर्षगांठ

(24 दिसंबर) पर

हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं

शुभेच्छु

अध्यक्ष: राकेश-समता गोदिका, परामर्शक: दिनेश-संगीता गंगवाल

सचिव: अनिल - प्रेमा रांवका, कोषाध्यक्ष: अनिल - अनिता जैन

एवं समस्त सदस्य दिग. जैन सोशल ग्रुप सन्मति, जयपुर

महावीर पब्लिक स्कूल में "वार्षिक खेल दिवस" का आयोजन

जयपुर. शाबाश इंडिया

महावीर पब्लिक स्कूल, सी स्कीम, जयपुर के क्रीड़ा-प्रांगण में ''**वार्षिक खेल** दिवस'' का भव्य आयोजन संपन्न हुआ। सर्वप्रथम एनसीसी कैडेट्स द्वारा मुख्य अतिथि रफीक खान, अध्यक्ष अल्पसंख्यक आयोग व वैभव गहलोत अध्यक्ष, राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन का विद्यालय की छात्राओं द्वारा तिलक लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात् विद्यालय के अध्यक्ष उमराव मल संघी, मानद् मंत्री सुनील बख्शी, उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, कोषाध्यक्ष महेश काला, संयोजक सुदीप ठोलिया तथा अन्य कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा माला पहनाकर, बैच लगाकर व शॉल भेंट करके तथा विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती सीमा जैन द्वारा पुष्प गुच्छ भेंट करके मुख्य अतिथियों का स्वागत किया गया। राज्य स्तरीय खिलाड़ी समृद्धि जैन, भव्य पटेल व राष्ट्रीय स्तर की खिलाड़ी व स्पोर्ट्स हेड गर्ल एशिता गोस्वामी द्वारा मशाल ज्योति लेकर पूरे मैदान का चक्कर लगाया गया। कार्यक्रम को आगे बढ़ाते हुए मुख्य अतिथियों, प्रबंध समिति के सदस्यों व प्राचार्या द्वारा मुक्त गगन में रंग-बिरंगे गुब्बारे उड़ाकर स्पोर्ट्स मीट आरंभ करने की घोषणा की गई। विद्यालय के हेड बॉय ध्रुव कसेरा ने सभी प्रतिभागियों को पूरी निष्ठा व ईमानदारी से अपना कर्तव्य निभाने की शपथ दिलवाई । विद्यालय के मानद् मंत्री सुनील बख्शी ने विद्यालय के शैक्षणिक व सह शैक्षणिक उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महावीर पब्लिक स्कूल सभी नवाचारों को अपनाने में हमेशा अग्रणी रहा है और रहेगा। तत्पश्चात्मुख्य अतिथि रफीक खान ने सभा को संबोधित करते हुए महावीर विद्यालय के विद्यार्थियों को खेल जगत में राष्ट्रीय स्तर तक प्रतिनिधित्व करने हेतु बधाई दी तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहुंचने के लिए प्रेरित किया। शारीरिक स्वास्थ्य की शिक्षा देने हेतु विद्यार्थियों ने जिमनास्टिक का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। छोटे-छोटे बच्चों द्वारा अम्ब्रेला ड्रिल के माध्यम से व्यायाम का प्रदर्शन किया गया। इस कड़ी को आगे बढ़ाते हुए योगा व एरोबिक्स के माध्यम से विद्यार्थियों ने व्यायाम का जीवन में महत्व का संदेश दिया। इस अवसर पर अपनी खेल भावना व उच्च ऊर्जा से युक्त प्राथमिक स्तर के छात्र-छात्राओं ने बैलून रेस, केव रेस,मटका रेस, रिंग रेस, स्किपिंग रेस द्वारा बेहतरीन प्रदर्शन किया। इसके अतिरिक्त माध्यमिक व उच्च स्तर के विद्यार्थियों ने अपनी पूरी शक्ति व ऊर्जा के साथ दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया। मुख्य अतिथियों, प्रबंध समिति के सदस्यों व स्कूल प्राचार्या द्वारा स्पोर्ट्स डे के विजेताओं को मेडल्स व प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान द्वारा हुआ।

सकल जैन समाज

विशाल मौन जुलूस

शिखरजी बचाओ

रविवार
25
दिसम्बर
2022

जुलूस रवानगी अग्रवाल कॉलेज से

जुलूस प्रातः 9.00 बजे अग्रवाल कॉलेज से रवाना होकर सांगानेरी गेट, जौहरी बाजार त्रिपोलिया बाजार, छोटी चौपड़, किशनपोल बाजार एम.आई.रोड, महावीर मार्ग होते हुए महावीर स्कूल, सी–स्कीम, पहुंचकर धर्मसभा में परिवर्तित होगा।

जुलूस नहीं - ऐलान है
शिखरजी जैनियों का सम्मान है।

निवेदक

भारतवर्षीय दिगम्बर जैन तीर्थक्षेत्र कमेटी ■ जैन श्वेताम्बर सोसाइटी

निवेदक: सकल जैन समाज, जयपुर

94140-48432 / 98290-14617 / 98291-50171 / 98290-60185

नोट : मौन जुलूस में ड्रेस कोड : महिला वर्ग- केसरियाँ साड़ी एवं पुरुष वर्ग सफेद वस्त्र

अनुरोधः सभी महिला- पुरूष मौन रैली में काली पट्टी बांध कर पंक्तिबद्ध होकर शामिल होंगे.

SHAKUN

अन्तर्मना आचार्य
श्री प्रसन्न सागर जी ने कहा...

सही कार्य करने के परिणाम हमेशा अच्छे ही आते हैं, लेकिन सही कार्य वह है जिसके उद्देश्य कभी गलत ना हो

सम्मेद शिखर जी. शाबाश इंडिया

एक शिष्य ने गुरू से पूछा गुरुजी हम कैसे जीयें? सन्त ने कहा - दो दिन साथ रहो, सब समझ जाओगे कि कैसे जीना है? शिष्य गुरू चरणों में ठहर गया। एक भक्त आया और सन्त के चरणो में मीठाई का डिब्बा चढ़ा कर बैठ गया। सन्त ने डिब्बा उठाया और पीठ करके सारी मीठाई खा ली। वह भक्त गुस्सा

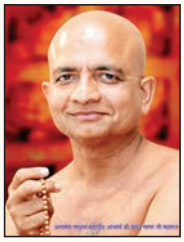

होकर चला गया कि हमको सन्त ने प्रसाद भी नहीं दिया। कुछ देर में एक भक्त फल लेकर आया और सन्त के चरणों में चढ़ाकर बैठ गया। सन्त ने फल उठाये और फैंक दिये। वह भक्त सोचने लगा कि सन्त ने फल स्वीकार नहीं किया और पीछे फल फेक दिये। फिर एक भक्त मीठाई और फल लेकर आया सन्त ने सबको मीठाई और फल प्रसाद में बांट दिया। सब खुश हो गये। सन्त ने शिष्य से कहा-समझ आ गया कैसे जीना चाहिए? शिष्य बोला गुरुदेव कुछ भी समझ नहीं आया-कृपया आप ही इस रहस्य को बतायें? सन्त ने कहा - जिस परमात्मा ने आप हमको सब कुछ दिया, तुमने उसको धन्यवाद तक नही दिया। ये अन्याय पूर्ण जीवन है। दूसरा-भक्त ने फल चढ़ाये और हमने वो फल फैंक दिये - यह मनुष्य जीवन परमात्मा प्रदत्त उपहार है जिसका हम उपहास उड़ा रहे और मूल्यवान जीवन को कामना वासना की आग में झुलसा रहे हैं। तीसरा - भक्त फल और मीठाई लेकर आया और हमने वह मीठाई और फल सबको प्रसाद में बांट दिया - मनुष्य जीवन परोपकार मय जीओ, और सबको जीने दो। हँसो और हसाओ, खुश रहो और दूसरों को खुश रहने दो, जीओ और सबको जीने दो। जिसने हमको सब कुछ दिया, उस परमात्मा को धन्यवाद दो। मनुष्य जीवन को व्यर्थ मत गवाओ। अहंकार, नफरत, ईर्ष्या, द्वेष, लोभ, लालच की प्रवृतियों ने हमारे अच्छे सुन्दर मानव जीवन को नष्ट नाबूत कर दिया। माता, पिता, गुरू और परमात्मा का आभार मानकर मनुष्य जीवन को सफल सार्थक करो। **नरेंद्र अजमेरा, पियुष कासलीवाल**

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर ने गायों को हरा चारा खिलाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। जैन सोशल ग्रुप मानसरोवर के कार्यकारिणी सदस्य तथा कार्यक्रम संयोजक ज्ञान चंद जैन के पिताजी स्वर्गीय श्री हजारीलाल जी जैन की पुण्य स्मृति पर आज शिकारपुरा गौशाला में गायों को एक ट्रक हरा चारा खिलाया। अध्यक्ष विनोद जैन शास्त्री तथा सचिव सौभाग मल जैन ने बताया कि सभी एक्सीडेंटल पशु यहाँ पर लाये जाते हैं। गोशाला मे करीब 2500 से 3000 गायों की रहने की व्यवस्था रखी गई है।

गाँव करिरीया मे मुनि दीप्त सागर महाराज का संल्लेखना पूर्वक हुआ समाधिमरण

निवाई मे आज होगा राष्ट्र गौरव आचार्य वर्धमान सागर का मंगल पदार्पण

विमल जौंला. शाबाश इंडिया

निवाई। सकल दिगम्बर जैन समाज के तत्वावधान में गांव करिरीया मे आचार्य वर्धमान सागर महाराज के सानिध्य में शुक्रवार को मुनि दीप्त सागर महाराज का संल्लेखना पूर्वक समाधिमरण हुआ जिसमें दूरदराज से श्रद्धालुओं ने भाग लिया। जैन समाज के प्रवक्ता विमल जौंला ने बताया कि राष्ट्र गौरव आचार्य वर्धमान सागर महाराज के कुशल निर्यापकत्व मे समस्त संध के सानिध्य में अरिहंत सिद्ध श्रवण करते हुए समाधिमरण हुआ। जौंला ने बताया कि पंचम पट्टाधीश वात्सल्य वारिधि निर्यापकाचार्य आचार्य वर्धमान सागर महाराज एवं समस्त संध से क्षमा याचना कर मुनि दीप्त सागर महाराज ने ग्राम गंगवाडा.मे चारो प्रकार के आहार का त्याग कर यम संल्लेखना अंगीकार की। मुनि दीप्त सागर महाराज का गुरुवार की रात्रि में ग्राम करिरीया मे समाधिमरण हुआ। मुनि श्री की सम्यक रुपेण आचार्य श्री के मुख से अरिहंत सिद्ध सुनते हुए समाधि हुई। जौंला ने बताया कि शुक्रवार को सुबह क्षपक मुनि श्री दीप्त सागर जी की डोल यात्रा ग्राम करिरीया मे निकालकर मुनि श्री का पूजन अभिषेक विधि विधान पूर्वक की गई मुनि श्री को गृहस्थ अवस्था के पुत्रों एवं परिजनों ने मुखाग्नि दी।

इन्होंने लिया भाग

पूर्व मुख्य सचेतक महावीर प्रसाद जैन, निवाई पीपलू विधायक प्रशांत बेरवा, नगरपालिका चेयरमैन दिलिप ईसरानी, वाईस चेयरमैन जितेन्द्र जैन ,जैन समाज के मंत्री महावीर प्रसाद पराणा, राजेश चौधरी, प्रदीप पारीक, ब्रह्मप्रकाश गुजर, दयाराम चौधरी उपप्रधान पंचायत समिति, तहसीलदार प्रांजल कंवर, विकास अधिकारी

रानु इंकिया, सरपंच ग्राम करिरीया, कृषि मंडी व्यापार मण्डल अध्यक्ष ओमप्रकाश चंवरिया, महेन्द्र जैन पवन बोहरा राजेश जैन इन्दौर सहित बोंली निवाई चाकसू शिवाड कलकत्ता किशनगढ़ भिण्डर इच्छलकरन जी उदयपुर झिलाय एवं बम्बई के अनेक श्रावको ने अन्तिम यात्रा में भाग लिया। विमल जौंला एवं पवन बोहरा ने बताया कि राष्ट्र गौरव आचार्य श्री का संध सहित झिलाय बोंली रोड स्थित गोशाला पर ठहराव किया जहां से विहार करते हुए झिलाय मे जैन अग्रवाल इण्डस्ट्रीज मे रात्रि विश्राम किया। जौंला ने बताया कि आचार्य श्री शनिवार की दोपहर में निवाई मे मंगल प्रवेश करेंगे।